मोटर-गाड़ियों का निर्माण

483. **श्री मृत्युंजय प्रसाद :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत 20 वर्षों से भारत में किस किस्म की मोटर-गाड़ियों का निर्माण हो रहा है तथा कितने प्रकार की गाड़ियों को पुर्जे जोड़कर बनाया जा रहा है ;

(ख) क्या गत 20 वर्षों में उनके मूल्य में वृद्धि के लिए सरकार ने स्वीकृति दी है ; यदि हां तो कितनी ;

(ग) मूल्यों में वृद्धि के कारण क्या हैं ; और

(घ) विभिन्न प्रकार की मोटरों के कल पुर्जों के आयात में वर्षवार लगातार कितनी कमी हुई है और देशी कल पुर्जों के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (घ). विवरण सभा पटल पर रखा गया। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिए संख्या LT—405/67LT—167/67]

मोटर-गाड़ियों के पुर्जों का निर्माण

484. **श्री मृत्युंजय प्रसाद :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मोटर-गाड़ियों के गुण-प्रकार के लिये कोई मानक निर्धारित किये हैं और यदि हां, तो गुण प्रकार नियंत्रण किस प्रकार लागू किया जाता है ;

(ख) क्या सरकार को पता है कि अनेक गाड़ियों के गुण-प्रकार का स्तर गिरता जा रहा है और इसके बावजूद कई मोटर-गाड़ियों के मूल्य में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है ; और

(ग) कौन से देशी पुर्जे ऐसे हैं जो पहले आयात किये जाने वाले विदेशी पुर्जों के मुकाबले के सिद्ध हुए हैं और कौन से पुर्जे घटिया किस्म के हैं और क्या देशी पुर्जों की किस्म में धीरे धीरे सुधार होता जा रहा है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) यद्यपि सरकार ने मोटर-गाड़ियों की किस्म के बारे में कोई भी मानक निर्धारित नहीं किए हैं किन्तु मोटर-गाड़ियों तथा उसके सहायक वस्तुओं के उत्पादकों को समय समय पर उनकी किस्म बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। देश में मोटर-गाड़ियां बनाने के सभी उत्पादकों ने इस क्षेत्र में ख्याति प्राप्त विदेशी कम्पनियों से सहयोग करार किए हैं और उन में आशा की जा की जाती है कि वे अपनी गाड़ियों का उत्पादन अपनी सहयोगी कम्पनी की इसी प्रकार की गाड़ियों के विशिष्ट विवरण तथा किस्म के अनुरूप करेंगे। हर मोटर-गाड़ी निर्माता का निरीक्षण करने वाला कर्मचारी वर्ग है जो कि किस्म पर नियन्त्रण किये रहता है। सरकार, मोटर-गाड़ी उद्योग विकास परिषद तथा उद्योग सभी ने किस्म को अत्याधिक महत्व दिया है। मोटर-गाड़ी निर्माता तथा सहायक सामान उत्पादकों ने हाल ही में एक सहकारी अनुसंधान संस्था की स्थापना की है। आशा की जाती है कि यह संस्था अपने दूसरे कार्यों के साथ-साथ किस्म को बनाए रखने पर बल देगी। देश में निर्मित कारों में यादृच्छिक रूप में चुनकर उसके परीक्षण के लिए कार्रवाई करने पर भी विचार किया जा रहा है।

(ख) देश में निर्मित गाड़ियों के बारे में सरकार को अनेक प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जैसे ही कोई शिकायत प्राप्त होती है उसे सुधारने के लिए उत्पादकों से कहा जाता है। मूल्य में वृद्धि कुछ अन्य

कारणों से हुई है जिसका किस्म से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं है।

(ग) देश में निर्मित पुर्जों को जिन्हें किस्म घटिया का समझा जाता है इसी प्रकार के पहले से विदेशों से आयातित पुर्जों में से अलग करना कठिन है। सामान्यत : पुर्जे गाड़ियों के विशिष्ट माडल्स के लिए ही निर्मित किए जाते हैं और ऐसा प्रबन्ध किया जा रहा है कि इनका विकास मोटर-गाड़ियों के मुख्य उत्पादकों के द्वारा निर्धारित किस्म तथा स्टैंडर्ड के अनुसार ही किया जाए। विकास प्रक्रिया में कुछ समस्याओं का उठ खड़ा होना स्वाभाविक ही है और उनका समाधान प्रयोग करके तथा क्षेत्रीय परीक्षण के द्वारा पुर्जों के निर्माता तथा गाड़ियों के निर्माताओं के आपसी सहयोग से ही किया जाना है।

चकिया स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे) पर चाय की दुकान

485. **श्री कमल मिश्र मधुकर :** क्या रेलवे मंत्री 31 मार्च, 1967 के अतारांकित प्रश्न सं० 339 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे के चकिया स्टेशन पर चाय की दुकान चलाने के लिये नये आवेदन पत्र मांगने के लिये अपेक्षित अधिसूचना इस बीच जारी कर दी गई है ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) सवाल नहीं उठता।

Import of T.V. sets

486. **Shri Yajnik:** Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange involved in the import of television sets by Government;

(b) the names of the countries from which these television sets are to be imported; and

(c) the method of repayment of the debt incurred for the purpose?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) 5,000 T.V. sets were imported during 1965 and 1966 at a total cost of Rs. 33.2 lakhs.

(b) and (c). There is no proposal to import any more T.V. sets.

Import of Electronic Computers

487. **Shri Yajnik:** Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange involved in the import of electronic computers to be imported during the current year both for the public and the private sectors;

(b) the names of the countries from which these computers are to be imported; and

(c) the method of repayment of the foreign exchange required for the purpose?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) to (c). In terms of the existing import policy, import of electronic computers is not allowed to Established Importers and also ordinarily to Actual Users. All requests from Actual Users are examined carefully, and permission for import is granted only after a thorough examination of the need for electronic computer in consultation with the Department of Labour and Employmnt. In view of this, it is not possible to state the number of computers to be imported or the foreign exchange involved in such imports.